

मौसम



अधिकतम तापमान 37.८

न्यूनतम तापमान 26.८

बाजार



सोना 87.400g

चांदी 91.500 kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

2

आसान नहीं ऑनलाइन गंदगी से निपटना, फूहड़-अश्लील सामग्री पर लगानी होगी रोक

एडीएम ने पीएम श्री स्कूल का किया निरीक्षण

04

वर्ष :08

अंक :253

मुंबई ,गुरुवार 06 मार्च , 2025

पृष्ठ : 06

मूल्य :2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा के जंगल में हाथी का इलाज करने गये पशु चिकित्सक पर जंगली हाथियों ने किया हमला

बालासोर (ओडिशा)। ओडिशा के बालासोर जिले के वन क्षेत्र में एक हाथी का इलाज करने गये पशु चिकित्सक पर हाथियों ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। वन अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद चिकित्सक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वन अधिकारी ने बताया कि यह घटना कुलडीहारा रिजर्व फॉरेस्ट में हुई। वन अधिकारियों की एक टीम और चिकित्सक मादा हाथी का इलाज करने के लिए जंगल में गए थे। हाथी रिसिया झील के पास तटबंध से गिरकर कीचड़ में फंस गया था। अचानक जंगली हाथियों का एक झुंड मौके पर पहुंच गया और खतरे की आशंका में बचाव दल के पीछे भागने लगा। उन्होंने बताया कि नीलगिरि पशु चिकित्सालय के पशु चिकित्सक सुभाशीष महापात्रा घटनास्थल से भागते समय गिर गए और एक हाथी ने उन पर हमला कर दिया। हालांकि, अन्य लोग मौके से भागने में सफल रहे। वन अधिकारियों ने घायल चिकित्सक को वहां से ले जाकर बालासोर जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया। वन अधिकारी ने बताया कि बाद में चिकित्सक को कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सक की हालत गंभीर बनी हुई है।

हाथरस में चाय की दुकान में घुसा ट्रक; एक व्यक्ति की मौत, अन्य घायल

हाथरस (उत्तर प्रदेश)। हाथरस जवshan कोतवाली क्षेत्र में मथुरा-बरेली मार्ग पर रामपुर गांव के पास एक ट्रक सड़क किनारे चाय की दुकान में जा घुसा। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी श्यामवीर सिंह ने बताया कि घटना सुबह करीब छह बजे हुई। सिकंदरगंज की ओर जा रहा ट्रक बेकाबू होकर पहले चाय की दुकान में घुसा और फिर पास के एक घर से जा टकराया। इस घटना में लोकेश (28) नामक व्यक्ति की मौत हो गयी। वह अपनी गाड़ी खड़ी करके दुकान पर चाय पी रहा था। तभी ट्रक ने दुकान में टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में सोबरनसिंह (30) नामक एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। सिंह ने बताया कि पुलिस ने लोकेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जांच की जा रही है।

बैन स्पीकर ने कहा- अब खाया तो...

यूपी विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटखा पर लगा बैन



नवी दिल्ली। यूपी विधानसभा में पान-मसाला धूकने की घटना के एक दिन बाद, सदन के अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटखा पर बैन लगा दिया है। साथ ही एक हजार जुमानें का भी प्रावधान रखा गया है। सतीश महाना ने कहा कि विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटका का सेवन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है। यदि कोई भी व्यक्ति विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटका का सेवन करता है, तो उन पर 1000 रुपये का जुमाना लगाया जाएगा और उनके खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी इससे पहले मंगलवार को स्पीकर सतीश महाना उस समय क्रोधित हो गए जब उन्होंने

देखा कि विधानसभा के मुख्य द्वार पर किसी ने थूक दिया था। महाना ने जहां विधानसभा कर्मचारियों को दाग साफ कराने का आदेश दिया, वहीं उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया। महाना ने कहा कि सुबह मुझे सूचना मिली कि हमारी विधान सभा के इस कमले में किसी सदस्य ने पान मसाला खाकर थूक दिया है। इसलिए, मैं यहां आया और इसे बोल रहा। मैंने विधायक

को वीडियो में देखा है। लेकिन मैं किसी भी व्यक्ति को अपमानित नहीं करना चाहता। इसलिए मैं उनका नाम नहीं ले रहा हूं। महाना ने साफ तौर पर कहा कि मैं सभी सदस्यों से आग्रह करता हूं कि अगर वे किसी को ऐसा करते हुए देखें तो उन्हें रोकें। इस विधानसभा को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है। जब किसी ने उनसे विधायक का नाम पूछा तो अध्यक्ष महाना ने कहा कि बेहतर

सतीश महाना ने कहा कि विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटका का सेवन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है। यदि कोई भी व्यक्ति विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटका का सेवन करता है, तो उन पर 1000 रुपये का जुमाना लगाया जाएगा और उनके खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

होगा कि संबंधित विधायक अपनी गलती स्वीकार कर लें। उन्होंने कहा, अगर संबंधित विधायक आकर मुझसे कहते हैं कि उन्होंने ऐसा किया है तो अच्छा होगा, नहीं तो मैं उन्हें बुलाऊंगा। महाना ने यह भी कहा था कि जिसने यह कार्य किया है, वह स्वयं आगे आकर स्वीकार करे, अन्यथा उन्हें उसे बुलाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा हम सबकी है, यह सिर्फ अध्यक्ष की विधानसभा नहीं है, इसकी जिम्मेदारी सभी 403 सदस्यों की है, यह यूपी की 25 करोड़ जनता की विधानसभा है, इसको साफ-सुथरा रखना हमारी जिम्मेदारी है, विधानसभा में स्पीकर द्वारा यह जानकारी दिए जाने के बाद कुछ सदस्यों ने कहा था कि अमुक सदस्य का नाम लिया जाए, जिस पर सतीश महाना ने कहा नहीं, किसी का नाम नहीं लूंगा, लेकिन जिसने किया है, वह स्वयं अगर आकर कह देंगे कि उन्होंने किया है, विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में पुनः इस विषय पर जोर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा राज्य के 25 करोड़ नागरिकों का सम्मान और उनकी आस्था का प्रतीक है,

महाराष्ट्र विधानसभा से अबू आजमी निलंबित औरंगजेब पर विवादित बयान के बाद कार्रवाई

औरंगजेब की तारीफ करने पर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को बजट सत्र की आखिरी तारीख तक महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित कर दिया गया

एजेंसी

मुंबई: समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी पर औरंगजेब की तारीफ करने का आरोप लगा है, उन्हें सत्र के अंत तक निलंबित कर दिया गया है, मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने प्रस्ताव रखा कि अबू आजमी को उनके विवादित बयान के कारण सत्र के दौरान निलंबित कर दिया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि आजमी के आपत्तिजनक बयान से सदन की गरिमा को ठेस पहुंच चु है,

अबू आजमी की प्रतिक्रिया

अबू आजमी ने कहा, 'सदन चलता रहे यह सुनिश्चित करने के लिए



औरंगजेब विवाद के बीच अबू आजमी के समर्थन में आए अखिलेश यादव

सपा नेता ने आगे कहा कि कुछ लोग अगर सोचते हैं कि निलंबन से सच की जुबान पर कोई लगाम लगा सकता है तो फिर वे उनकी नकारात्मक सोच का बयान दें। अज्ञात व्यक्त को सज्जन का, नही वांछित भाजपा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) मुख्य अखिलेश यादव ने मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली उनकी पहिली विवादित टिप्पणी को लेकर पार्टी विधायक अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित किए जाने पर बुधवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

मैंने अपना बयान वापस लिया, मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा, फिर भी विवाद हो रहा है, सदन की कार्यवाही बाधित हो रही है, मैंने सदन में नहीं बल्कि विधानसभा के बाहर अपना बयान दिया जिसे वापस ले लिया, फिर भी मुझे

निलंबित कर दिया गया है,' इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई, सुधीर मुनगंटीवार ने मांग की कि अबू आजमी को न केवल निलंबित किया जाना चाहिए, बल्कि उनकी सदस्यता भी रद्द की जानी चाहिए, सत्र के दौरान अबू आजमी को निलंबित करने के प्रस्ताव को लेकर सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों ने विधानसभा में हंगामा किया, दोनों पक्षों के विधायकों ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जय के नारे लगाए, विपक्षी दलों ने छत्रपति शिवाजी महाराज का कथित अपमान करने वाले महाराष्ट्र के प्रशांत कोरटकर के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की।

यूपी भेजिए, ढंग से इलाज कर देंगे

अबू आजमी पर बरसे सीएम योगी, कहा- औरंगजेब को आदर्श मानते हैं सपा विधायक

योगी ने कहा कि जो व्यक्ति छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत पर शर्म महसूस करता हो, गर्व करने की बजाय औरंगजेब को अपना आदर्श मानता हो, क्या उसे हमारे देश में रहने का अधिकार है? उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को इसका जवाब देना चाहिए।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अबू आजमी के विवादित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'लोहिया से ज्यादा औरंगजेब समाजवादी पार्टी के आदर्श हैं।' समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को मुगल

बजट सत्र में विपक्ष पर हावी दिख रहे सीएम योगी

दरअसल इस बजट सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फूल तेवर में दिख रहे हैं। यही वजह है कि सीएम योगी समाजवादी पार्टी को बेरने का कोई दांव नहीं छोड़ रही है। जबकि विपक्ष के पास कई ऐसे मुद्दे थे, जिन पर योगी सरकार को धेरा जा सकता था।

बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली उनकी हालिया टिप्पणी पर

विवाद के बीच महाराष्ट्र विधानसभा से पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के औरंगजेब पर दिए गए बयान पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उस व्यक्ति को (समाजवादी) पार्टी से निकालो और यूपी भेजो, हम उसका इलाज करेंगे। योगी ने कहा कि जो व्यक्ति छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत पर शर्म

माह सू सा करता हो, गर्व करने की बजाय

औरंगजेब को अपना आदर्श मानता हो, क्या उसे हमारे देश में रहने का अधिकार है? उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को इसका जवाब देना चाहिए। एक तरफ आप महाकुंभ को दोष देते रहते हैं।



लड़ेंगे ना मैया, जब कदम रख दे लेने बानी, तब पीछे ना हटब

बिहार विस चुनाव लड़ने पर बोले पवन सिंह

पवन सिंह ने कहा है कि वह इस साल के आखिर में होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। सिंह फिल्म के प्रचार के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनसे पूछा गया कि क्या वह बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे? इस पर उन्होंने कहा, मेरे बोला था ना बहुत पहले, कि मेरी जीत से ज्यादा चर्चा मेरी हार की है।

एजेंसी

पटना। राजनीति में कदम रख चुके भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह ने कहा है कि वह इस साल के आखिर में होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। सिंह जमशेदपुर में अपनी एक फिल्म के प्रचार के दौरान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनसे पूछा गया कि क्या वह बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे? इस पर उन्होंने कहा, मैंने बोला था ना बहुत पहले, कि मेरी जीत से ज्यादा चर्चा मेरी हार की है। साल 2024 में संपन्न लोकसभा



चुनाव के दौरान पवन सिंह ने बिहार के काराकाट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। तब वह भाकपा माले उम्मीदवार राजा राम सिंह से पराजित हो गए थे। सिंह ने भोजपुरी में कहा, लड़ेंगे ना भैया, जब कदम रख दे लेने बानी, तब पीछे ना हटब। यह पूछे जाने पर कि क्या वह भाजपा में शामिल होंगे, उन्होंने कहा, समय बताएगा, अभी मैं कुछ नहीं बोल सकता। पूर्व में सिंह भाजपा में थे। पार्टी ने उन्हें पश्चिम बंगाल के आसनसोल लोकसभा सीट से मैदान में उतारा था।

'हमने नीतीश को दो बार सीएम बनाया'

मुख्यमंत्री पर तेजस्वी का पलटवार, विधानसभा में हुई थी नोकझोंक



एजेंसी

बिहार। बिहार विधानसभा में नीतीश और तेजस्वी यादव के बीच तीखी नोकझोंक के एक दिन बाद राजद के एक कार्यक्रम में बोलते हुए राजद नेता ने कहा कि अब समय आ गया है कि अक्षम सरकार को पैकिंग के लिए भेज दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कल नीतीश कुमार ने विधानसभा में कहा कि उन्होंने लालू

यादव को मुख्यमंत्री बनाया। भूल जाइए कि नीतीश कुमार क्या कहते हैं। लेकिन नीतीश कुमार को याद रखना चाहिए कि उनसे पहले भी मेरे पिता दो बार विधायक और एक बार सांसद चुने जा चुके हैं। तेजस्वी ने कहा कि लालू यादव को भूल जाइए, लालू जी ने कई प्रधानमंत्री बनाए हैं। 'यह मैं ही था जिसने उन्हें (नीतीश कुमार) दो बार सीएम बनाया और उनकी पार्टी को बचाया। राज्य में सेवानिवृत्त

तेजस्वी ने पिछले साल जनवरी में राजद के नेतृत्व वाले महापबंधन को छोड़कर एनडीए में शामिल होने के बाद से नीतीश कुमार पर सीधा हमला बोला है। बार-बार पाला बदलने के कारण 'पलटू राम' का टैग हासिल करने वाले नीतीश ने 2022 में विपक्ष के नेतृत्व वाले महापबंधन में शामिल होने के लिए एनडीए छोड़ दिया था।

अधिकारियों के साथ एक थका हुआ अध्यक्षमंत्री है। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने यादव पर पलटवार करते हुए कहा था कि बिहार में पहले क्या था? वह मैं ही था जिसने आपके (तेजस्वी यादव) पिता को बनाया। यहां तक कि आपके जीत के लोग भी मुझसे पूछ रहे थे कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूं, लेकिन मैंने फिर भी उनका समर्थन किया। यह उन दुर्लभ अवसरों में से एक है जब तेजस्वी ने पिछले साल जनवरी में राजद के नेतृत्व वाले महापबंधन को छोड़कर एनडीए में शामिल होने के बाद से नीतीश कुमार पर सीधा हमला बोला है।



सम्पादकीय

पश्चिम जाने की ललक के कारण, समुचित अवसर और सम्मान मिलने की आस

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे या प्रवेश करने वाले भारतीयों को वहां से निकाले जाने पर हमारे देश में तमाम लोगों की भावनाएं आहत हो रही हैं। वहां से लोगों को जिस तरह भेजा जा रहा है, उसका तौर-तरीका चुभने वाला है। इस बीच मूल बिंदु उपेक्षित है कि क्यों भारत से बड़ी संख्या में लोग बाहर जा रहे हैं? आम समझ यही है कि लोग रोजगार के लिए जाते हैं, परंतु संपन्न घरों के युवा भी अमेरिका-यूरोप जाना चाहते हैं ऐसे लोगों को यहां रोजी-रोटी की खास समस्या नहीं है। वस्तुतः अमेरिका या यूरोप जाने वाले भारतीयों में कम ही लोग वहां कोई नियुक्ति-पत्र लेकर जाते हैं। अधिकांश वहां पढ़ाई के लिए जाते हैं और फिर कोई छोटी-मोटी नौकरी शुरू करते हैं। कई बार यह वहां के नियमों का उल्लंघन करके होता है। कनाडा जाने वाले अधिकांश भारतीयों में तो कोर्स-दाखिला केवल बहाना होता है। अपवाद छोड़कर हमारे बुद्धिजीवियों में नीति-निर्माण और सुव्यवस्था की समझ तक नहीं रही है। वे नारेबाजी के भरोसे रहते हैं। तब कौन दश ऐसे लोगों की भीड़ चाहेगा? यह स्वाभाविक है कि अमेरिकी प्रशासन भी केवल सुयोग्य भारतीयों को रखना चाहे और बाकी को कड़ाई से बाहर करे। हमें अपना घर सुधारने की चिंता होनी चाहिए। दूसरों की निंदा करना आत्महीनता है वे वहां रह जाने की मंशा से ही जाते हैं। उसी प्रक्रिया का एक रूप यहां देश में भी दिखता है। गांव-गांव में असंख्य माता-पिता बच्चों को पढ़ाते हुए यही चाहते हैं कि वे बाहर निकल कर दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु आदि जगहों पर जाकर काम करें। जबकि दिल्ली-बेंगलुरु में बसे भारतीय अपने बच्चों के लिए यूरोप-अमेरिका जाकर रहने की आकांक्षा रखते हैं और वैसी योजनाएं बनाते हैं। यह पूरी प्रक्रिया पलायन के लिए चयन जैसी है। यह अपने समाज, अपनी व्यवस्था के विरुद्ध सामूहिक अविश्वास का मौन प्रदर्शन है। लोग अपने संसाधन, बुद्धि और परिश्रम लगाकर अपना समाज और देश छोड़कर वहां जाना चाहते हैं, जो अधिक व्यवस्थित और अवसर देने वाला लगता है। यही बिंदु विचारणीय है। भारत कोई गरीब देश नहीं, लेकिन कुव्यवस्था से बेहाल है। अन्यथा उच्च मध्यवर्गीय भारतीयों के पास जितना धन है वह अनेक यूरोपीय देशों में नहीं दिखता, लेकिन हमारी आम राजनीतिक, प्रशासनिक, शैक्षिक व्यवस्थाएं बेहाल हैं, जो हतोत्साहित करती हैं। ये व्यवस्थाएं योग्यता या विवेक का आदर नहीं करती। शैक्षिक संस्थाएं या तो खानापूरी या शुद्ध धंधा हैं। सौ, प्रतिभाएं रामभरोसे रहती हैं। अन्य क्षेत्रों में भी प्रायः हर अवसर या पद किसी अन्य आधार पर देने-लेने की व्यवस्था स्थापित है। इसीलिए लोग विदेश पलायन कर रहे हैं, जहां समुचित अवसर और सम्मान मिलने की आस हो।

आज का विचार

खुद को एक सोने के सिक्के जैसा बनाइये, जो कि अगर नाली में भी गिर जाए तो भी उसकी क़ीमत कम नहीं होती है...!!

भारत संवाद



मेष राशि : मेष राशि के जातकों को अपने कामों को पूरा करने के लिए काफी मेहनत करनी होगी. आपका कोई मित्र आपके घर आ सकता है. पारिवारिक समस्याओं को आप नजरअंदाज ना करें.

वृषभ राशि : वृषभ राशि के जातकों को अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है. किसी नये प्रोजेक्ट पर आप काम कर सकते हैं. पारिवारिक मामलों कोलेकर आपकी टेंशन बढ़ेगी.

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातक कुछ नयी योजनाओं की शुरूआत कर सकते हैं, उनका बिजनेस पहले से बेहतर चलेगा. आपको अपने किसी भाई की ओर से कोई खुशखबरी सुनने की मिल सकती है.

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों के लिए आज दिन उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है. आपकी ससुराल पक्ष किसी व्यक्ति से मुलाकात होगी. माता जी आपसे किसी जरूरी काम को लेकर बातचीत कर सकती हैं.

सिंह राशि : सिंह राशि के जातकों के लिए आज दिन उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है. आपकी ससुराल पक्ष किसी व्यक्ति से मुलाकात होगी. माता जी आपसे किसी जरूरी काम को लेकर बातचीत कर सकती हैं.

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के कामों में यदि कुछ समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी. आप अपने आवश्यक कामों को पूरा करने की कोशिश में जुटे रहेंगे. आपको किसी खर्च को लेकर टेंशन रहेगी. आपका मन परेशान रहेगा

तुला राशि : तुला राशि के जातकों को अपने कामकाज पर पूरा ध्यान देना होगा. आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है. प्रेम जीवन जी रहे लोगों में किसी बाहरी व्यक्ति के आने से खटपट होने की संभावना है.

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपके मन में मानसिक शांति रहने से

ज्योतिष सेवा केन्द्र

ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आसान नहीं ऑनलाइन गंदगी से निपटना, फूहड़-अश्लील सामग्री पर लगानी होगी रोक

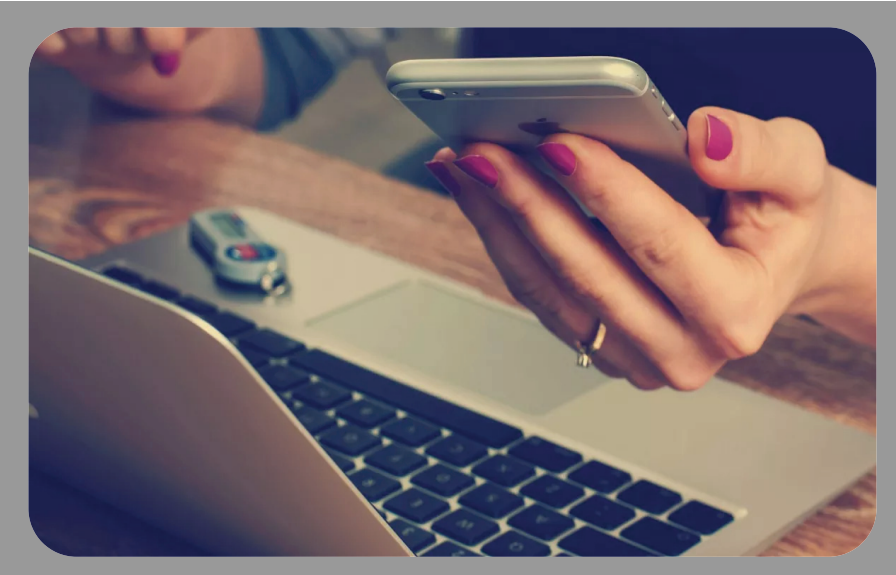


अश्लील सामग्री को लेकर हर देश ने भले ही अपने-अपने नियम-कानून बना रखे हों लेकिन ऑनलाइन प्लेटफार्मों ने उन्हें बेमानी साबित कर दिया है। यह निरा झूठ है कि ऑनलाइन प्लेटफार्म फूहड़ता एवं अश्लीलता को लेकर संवेदनशील हैं।

वे ऐसा दावा भले करते हों लेकिन सच यही है कि उनकी कोशिश यही रहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस तरह की सामग्री देखें।

कॉ मेडियन समय रैना के यूट्यूब चैनल पर इंडियाज गाट लेटेस्ट

कार्यक्रम के दौरान एक अन्य यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की ओर से की गई बेहद भोंडी टिप्पणी का मामला फिर से सुप्रीम कोर्ट में सुना गया। सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया को अपना पोडकास्ट शुरू करने की अनुमति तो दे दी, लेकिन उसने समय रैना को खूब खरी-खोटी सुनाई, क्योंकि न्यायाधीशों को इससे अवगत कराया गया कि रैना ने अपने कनाडा दौरे के समय शीर्ष अदालत की कार्यवाही पर तंज कसा है। इस मामले की जांच मुंबई और गुवाहाटी पुलिस भी कर रही है। कहना कठिन है कि वह किस नतीजे पर पहुंचेगी। यह कहना भी कठिन है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या करेगा, लेकिन फिलहाल यह दिख रहा है कि उसने सख्त रवैया अपना रखी है। उसने सरकार से फिर कहा कि वह यूट्यूब चैनलों और अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्मों की सामग्री का नियमन करे। वह इस मसले पर कितना गंभीर है, इसका पता इससे चलता है कि उसने सरकार से इसका मसौदा तैयार करने को कहा। यदि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार सरकार इस दिशा में कोई पहल करती है तो इसके खिलाफ यह कहते हुए शोर उठ सकता है कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। वैसे तो सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा है कि नियमन के उपाय सेंसरशिप जैसे नहीं लगने



चाहिए, लेकिन इसके भरे-पूरे आसार हैं कि इस दिशा में सरकार की किसी भी पहल पर ऐसे सवाल अवश्य उठेंगे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित किया जा रहा है। सब जानते हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीमित नहीं होती, लेकिन सीमा का उल्लंघन कब होता है, यह तय करना सदैव मुश्किल हो जाता है। क्या आपत्तिजनक है और क्या नहीं, इसका निर्धारण करना इसलिए आसान नहीं, क्योंकि जो किसी के लिए फूहड़ होता है, वह अन्य के लिए हास्य। जो किसी के लिए आपत्तिजनक या अपमानजनक होता है, वह अन्य के लिए खरी बात। इसी तरह जो किसी के लिए अभद्र-अश्लील होता है, वह अन्य के लिए कूल। यह किसी से छिपा नहीं कि समय रैना, रणवीर इलाहाबादिया और उनके साथियों के खिलाफ कार्रवाई का अनेक लोग विरोध भी कर रहे हैं। उनकी दलील है कि

आखिर फूहड़ता के लिए किसी को जेल में कैसे डाला जा सकता है? कुछ यह कह रहे हैं कि इस मामले में पुलिस एवं अदालत अपना समय जाया कर रही हैं और आखिर रैना और इलाहाबादिया ने लोगों को अपना शो देखने के लिए बुलाया तो था नहीं। कुछ लोग यह भी पूछ रहे हैं कि क्या रैना, इलाहाबादिया आदि को जेल भेज देने से गरीबी, बेरोजगारी जैसी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। उनके कहने का यह आशय है कि पुलिस अथवा अदालत को इस पचड़े में नहीं पड़ना चाहिए। क्या वाकई नहीं पड़ना चाहिए? इसका भी कोई सीधा जवाब नहीं, लेकिन इतना तो तय है कि अनेक कॉमेडियन, इन्फ्लुएंसर जैसी ऑनलाइन फूहड़ता अश्लीलता फैला रहे हैं, उसकी अनदेखी करने से भी कोई समस्या सुलझने वाली नहीं। इसका यह भी मतलब नहीं कि रैना, इलाहाबादिया आदि को

जेल में डाल देना समस्या का सही समाधान है। जो लोग यह चाह रहे हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर भोंडी-ओछी ऑनलाइन सामग्री की अनदेखी कर दी जाए, उनकी तरफदारी करना भी कठिन है, क्योंकि अनेक तथाकथित कॉमेडियन और इन्फ्लुएंसर ऑनलाइन परोस रहे हैं। ऐसा करके वे पैसा तो बना ही रहे हैं, बल्कि प्रचार और प्रसिद्धि भी पा रहे हैं। वे टीवी शो में प्रतिभागी अथवा अतिथि के तौर पर बुलाए जाने लगे हैं। समय रैना कुछ समय पहले ही कौन बनेगा करोड़पति में प्रकट हुए थे। कोई भी समझ सकता है कि उन्हें इसीलिए बुलाया गया, ताकि कौन बनेगा करोड़पति के दर्शक बढ़ें। भले ही ऐसे लोग इन्फ्लुएंसर कहे जाते हों, लेकिन यह समझना कठिन है कि वे लोगों को प्रभावित करते हैं या दुष्प्रभावित? यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ट्विटर (एक्स) जैसे प्लेटफार्मों

पर फूहड़, अश्लील कंटेंट की भरमार है। अश्लील सामग्री को लेकर हर देश ने भले ही अपने-अपने नियम-कानून बना रखे हों, लेकिन ऑनलाइन प्लेटफार्मों ने उन्हें बेमानी साबित कर दिया है। यह निरा झूठ है कि ऑनलाइन प्लेटफार्म फूहड़ता एवं अश्लीलता को लेकर संवेदनशील हैं। वे ऐसा दावा भले करते हों, लेकिन सच यही है कि उनकी कोशिश यही रहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस तरह की सामग्री देखें। यह इसीलिए है, क्योंकि इन प्लेटफार्मों ने इसकी खुली छूट दे रखी है। ये प्लेटफार्म यह कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि वे तो माध्यम भर हैं यानी उनका काम पोस्टमैन सरीखा है। इसी कारण इन प्लेटफार्मों का इस्तेमाल नफरती और अराजक तत्वों के साथ आतंकी भी करते रहते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि ऑनलाइन प्लेटफार्म बेलगाम हैं और वे किसी नियम-कानून की परवाह नहीं करते। इसी कारण वे फेक न्यूज का सबसे बड़ा जरिया बने हुए हैं। अब जब इसकी प्रतीक्षा की जा रही है कि फूहड़ता फैलाने के मामले में सरकार और सुप्रीम कोर्ट क्या करता है, तब यह भी देखना होगा कि आनलाइन प्लेटफार्मों पर जैसी सामग्री ज्यादा देखी जाती है, वैसी ही अधिक प्रसारित होती है। चूंकि फूहड़ सामग्री देखी जा रही है, इसीलिए वह परोसी भी जा रही है।

आने वाले कल के लिए जल के लिए भी सोचें

संजीव ठाकुर



जल की एक बूंद का संरक्षण मानवीय जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। जल की एक-एक बूंद जीवन के लिए बेशकीमती और बहु उपयोगी है। जल की बबादी भविष्य के बहुत बड़े खतरे को इंगित करती है, यदि पृथ्वी पर जल नहीं होगा तो जीवन की संभावनाएं भी विलुप्त हो जाएंगी। सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है।

सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बॉम्बे शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर स्पलाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महायुद्ध की संभावनाओं

को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होंगे तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का भ्रम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में

पर्यावरण की रक्षा के लिए परमाणु ऊर्जा के बहिष्कार की आवश्यकता

(राजकुमार सिन्हा)

परमाणु ऊर्जा न तो सुरक्षित है, न सतत, और न ही आर्थिक रूप से व्यावहारिक। इसके पर्यावरणीय ,सामाजिक और मानवीय नुकसान इसके कथित लाभों से कहीं अधिक हैं। परमाणु ऊर्जा को आगे बढ़ाने की एक खतरनाक नीति है, जो जनसुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता की पूरी तरह अनदेखी करती है। वैसे तो परमाणु ऊर्जा को स्वच्छ ऊर्जा के रूप में प्रचारित किया जाता है, लेकिन यह विकिरणीय कचरा, उच्च लागत और विनाशकारी दुर्घटनाओं के खतरे के साथ आती है। इन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वय (एनएपीएम) के हैदराबाद राष्ट्रीय अधिवेशन में नेशनल अलायंस फॉर क्लाइमेट एंड इकोलॉजिकल जस्टिस, नेशनल अलायंस ऑफ एंटी-न्यूक्लियर मूवमेंट्स और चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति ने परमाणु ऊर्जा के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई। चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति के अध्यक्ष दादु लाल कुडापे एवं बरगी बांध विस्थापित मत्स्य संघ के अध्यक्ष मुन्ना बर्मन ने संयुक्त रूप से परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के विरोध में प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव में परमाणु ऊर्जा के विस्तार की हालिया नीतियों का कड़ा विरोध किया गया। प्रस्ताव में कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा न तो सुरक्षित है, न सतत, और न ही आर्थिक रूप से व्यावहारिक। इसके पर्यावरणीय, सामाजिक और मानवीय नुकसान इसके कथित लाभों से कहीं अधिक हैं। एनटीपीसी (नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन) और एनपीसीआईएल (न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) के बीच 780,000 करोड़ के निवेश की समझौता, परमाणु ऊर्जा को आगे बढ़ाने की एक खतरनाक नीति है, जो जनसुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता की पूरी तरह अनदेखी करती है। चुटका परमाणु संयंत्र और नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी जिलों में प्रस्तावित संयंत्र स्थानीय समुदायों के विस्थापन, विकिरण

(रेडिएशन) के खतरे और दीर्घकालिक पारिस्थितिकीय विनाश का कारण बनेंगे। चुटका क्षेत्र में 2009 से आदिवासी समुदाय इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं, जहां भूमि का जबरन अधिग्रहण किया गया और उचित मुआवजा भी नहीं दिया गया। इस परियोजना से मछुआरे, किसान और स्थानीय आदिवासी समुदायों की आजीविका बुरी तरह प्रभावित होगी। इसके बावजूद चुटका परमाणु परियोजना को आगे बढ़ाया जा रहा है परमाणु संयंत्रों के लिए आदिवासी, किसान और मछुआरों को उनकी भूमि से बेदखल किया जाना उनके अधिकारों का उल्लंघन है और इससे उनकी आजीविका छिन रही है। इसके अलावा, सरकार द्वारा फ्रांस की ईडीएफ, रूस की रोसैटम और अमेरिका की वेस्टिंगहाउस इलेक्ट्रिक कॉर्पोरेशन जैसी विदेशी परमाणु कंपनियों पर निर्भरता देश की संप्रभुता और सार्वजनिक जवाबदेही को भी संकट में डालती है। परमाणु ऊर्जा को स्वच्छ ऊर्जा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन यह विकिरणीय कचरा, उच्च लागत और विनाशकारी दुर्घटनाओं के खतरे के साथ आती है। वैश्विक अनुभव से यह स्पष्ट हुआ है कि सौर, पवन और छोटी विकेन्द्रित जलविद्युत ऊर्जा अधिक सुरक्षित और सतत समाधान हैं। प्रस्ताव में परमाणु ऊर्जा को एक ऊर्जा समाधान के रूप में अस्वीकार करते हुए नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर तत्कालीन लगाने की मांग करते हुए कहा गया है कि सरकार को विकेन्द्रित, नवीकरणीय (रिन्यूएबल) ऊर्जा स्रोतों में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि ऊर्जा नीति पर्यावरणीय न्याय और समुदायों की संप्रभुता के सिद्धांतों के अनुरूप हो। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि एनएपीएम परमाणु ऊर्जा के आर्थिक, पर्यावरणीय और मानवीय लागतों को उजागर करने और सतत और लोकतांत्रिक ऊर्जा प्रणालियों की ओर न्यायसंगत परिवर्तन की कवालत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दुनियाभर में जैसे को तैसी टैरिफ लगाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जो भी हम पर जितना टैरिफ लगाएगा, हम भी उन पर उतना ही लगाएंगे। ट्रम्प ने हस्ततेष्ट्य कहा कि मैं इसे 1 अप्रैल को लागू करना चाहता था, लेकिन फिर लोग इसे 'अप्रैल फूल' समझते। ट्रम्प ने कहा कि उनके प्रशासन के तहत, अगर कोई कंपनी अमेरिका में अपना प्रोडक्ट नहीं बनाएगी, तो उसे टैरिफ देना होगा।

संक्षेप

नाबालिग लड़की भगाने का मामला

पड़ोसी युवक 10 हजार रुपए और चांदी की पायल लेकर लड़की को सूरत ले गया, केस दर्ज

सुलतानपुर, कादीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से एक नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी 16 वर्षीय बेटी 27 फरवरी को घर से लापता हो गई। वह घर से 10 हजार रुपए और चांदी की दो जोड़ी पायल लेकर गई है। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चला। परिवार को आशंका है कि पड़ोस का रहने वाला रंजेश (पिता तिलकधारी) उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है। इस बात की पुष्टि 2 मार्च को लौटी एक अन्य लड़की ने की है। लड़की ने बताया कि रंजेश लड़की को सूरत ले गया है। पीड़िता की मां ने पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने नामजद केस दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाल एके सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लड़की को बरामद कर लिया जाएगा।

बांदा में 60 साल बाद जागी ब्रिटिश कालीन नहर

2.70 करोड़ की लागत से हुआ कायाकल्प, 12 गांवों को मिलेगा पानी

बांदा, जल संकट से निजात दिलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वादा पूरा होना शुरू हो गया है। जलशक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद को देखरेख में 30 किलोमीटर लंबी नहर का कायाकल्प कर दिया गया है। यह नहर ब्रिटिश शासनकाल में बनाई गई थी। पैलानी तहसील के अलोना गांव से निवाइच-पिपरही समेत एक दर्जन गांवों को सिंचाई के लिए बनाई गई यह नहर पिछले 60 वर्षों से बेकार पड़ी थी। केन नदी पर लिफ्ट परियोजना भी शुरू की गई थी, लेकिन वह भी अधूरी रह गई। धीरे-धीरे नहर का अस्तित्व खत्म हो गया। किसानों ने इसे अपने खेतों में मिला लिया था। मुख्यमंत्री योगी के संकल्प को पूरा करने के लिए जलशक्ति मंत्री ने इस नहर के कायाकल्प की पहल की।

इंसास राइफल और रजिस्टर की जांच

कोतवाली पहुंचे एसपी, चौकीदारों को दिए कबल, वाहनों के निस्तारण का निर्देश

अमरोहा, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बुधवार को डिंडौली कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने कोतवाली की सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। एसपी ने पुलिसकर्मियों से इंसास राइफल की जांच करवाई। इसके साथ ही अपराध रजिस्टर और त्योहार रजिस्टर का भी अवलोकन किया। उन्होंने सभी दस्तावेजों को अद्यतित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने चौकीदारों का उत्साहवर्धन किया।

श्रीमद् भागवत कथा में मत्स्य, वामन और कृष्ण अवतार की कथा जयसिंहपुर में निकाली गई झांकी, कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुल्तानपुर, गोसाईगंज क्षेत्र के बैसिया चुरकुना में चल रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का चौथा दिन विशेष रहा। कथाव्यास आचार्य विजय मिश्र ने समुद्र मंथन, मत्स्य अवतार, बलि वामन चरित्र और श्रीकृष्ण जन्म की कथा का वर्णन किया। आचार्य जी ने बताया कि भगवान विष्णु के सप्त अवतारों में मत्स्य अवतार सृष्टि के उद्धार के लिए हुआ था। बलि वामन चरित्र में उन्होंने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी से कुछ मांगने की स्थिति नहीं आनी चाहिए। मांगने के

छात्रों ने स्वच्छ महाकुंभ के नारे को किया सार्थक

लाला मनमोहन दास इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने सेक्टर 18 में चलाया स्वच्छता अभियान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, चल रहे महाकुंभ के समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छता का जो अभियान प्रयागराज में शुरू किया था, उसे अब प्रयागराज के नागरिक और छात्र आगे बढ़ा रहे हैं।

कुंभ मेला क्षेत्र में स्वच्छता का संदेश देने के उद्देश्य से लाला मनमोहन दास इंटरमीडिएट कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सेक्टर 18 में स्वच्छता अभियान चलाया। महाकुम्भ समापित के पश्चात भी स्वच्छ महाकुम्भ के संकल्प को जीवंत बनाए रखने के लिए इस अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में 100 से अधिक एम्सीसी, स्काउट एवं



गाइड सहित विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने झाड़ू लेकर नालियों और खुले स्थानों में फैले पॉलिथीन व अन्य कचरे को एकत्रित किया। इसके साथ ही मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश भी दिया गया। अभियान में

कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. निरंजन कुमार सिंह, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं अन्य शिक्षकगण भी शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है।

महाकुंभ का पवित्र जल अमेठी पहुंचा

अग्निशमन विभाग ने गौरीगंज, मोहनगंज और जायस में किया वितरण, लोगों में खुशी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, प्रयागराज महाकुंभ 2025 का पवित्र गंगाजल अब अमेठी के श्रद्धालुओं को मिलने लगा है। प्रदेश सरकार के निर्देश पर अग्निशमन विभाग ने टैंकर में भरकर संगम का पवित्र जल अमेठी पहुंचाया। गौरीगंज के जीजीआईसी तिराहे पर गंगाजल का वितरण शुरू हुआ।

यहां से कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को गंगाजल दिया गया। मोहनगंज और जायस में भी वितरण की व्यवस्था की गई है। अग्निशमन द्वितीय अधिकारी अरशद खान ने बताया कि महाकुंभ में भीड़ के कारण कई श्रद्धालु गंगा स्नान नहीं कर पाए।

इसलिए सरकार ने यह पहल की है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी शहरों में जल का वितरण किया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक श्रद्धालु इस पवित्र जल को प्राप्त कर सकें। लोगों ने की सराहना श्रद्धालुओं ने गंगाजल पाकर खुशी



जाहिर की। उन्होंने आस्था और श्रद्धा के साथ इसे अपने घरों में रखा। स्थानीय लोगों ने सरकार और अग्निशमन विभाग के इस प्रयास की सराहना की। श्रद्धालुओं का कहना है कि यह पहल उन लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है जो महाकुंभ में नहीं जा सके।

शराब दुकान के लिए महिलाओं का रुझान

21 से 87 साल की महिलाओं ने किया लाइसेंस के लिए आवेदन, 235 दुकानों के लिए 2,907 आवेदन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, शराब व्यवसाय में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने लगी है। जिले में देसी, अंग्रेजी और भांग की 235 दुकानों के लाइसेंस के लिए कुल 2,907 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं। आवेदकों में 21 वर्षीय युवा महिलाओं से लेकर 87 वर्षीय वृद्ध महिलाएं तक शामिल हैं। यह पहली बार है जब अमेठी में इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं ने शराब व्यवसाय में रुचि दिखाई है। इन आवेदनों से सरकार को 15 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। सहायक आबकारी आयुक्त अखिलेश कुमार आर्य के अनुसार, 6 मार्च को ई-लॉटररी के माध्यम से लाइसेंस धारकों का चयन किया जाएगा। पहले शराब बिक्री का विरोध



करने वाली महिलाएं अब इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर देख रही हैं। महिलाओं का कहना है कि जब यह व्यवसाय समाज में मौजूद है, तो इसे केवल पुरुषों तक सीमित नहीं रखा

जाना चाहिए। वे आत्मनिर्भरता की दिशा में यह कदम उठा रही हैं। परंपरागत रूप से पुरुष-प्रधान इस व्यवसाय में अब महिलाएं भी आय बढ़ाने के लिए आगे आ रही हैं।

डीसीएम-कार की भिड़ंत

लखनऊ एयरपोर्ट से लौट रहे चार लोग घायल, झपकी आने से हादसा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जायस कोतवाली क्षेत्र में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। राजीव गांधी पेट्रोलियम संस्थान के सामने टांडा राजमार्ग पर डीसीएम और मारुति वैगनर कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए। घायलों में नसीराबाद थाना क्षेत्र के बरखुरदार गांव के सरताज, शीलू, एक महिला और एक अन्य व्यक्ति शामिल हैं। सभी घायलों को रायबरेली जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों को पहुंचाया अस्पताल घटना आज सुबह की है। चारों लोग अपने एक रिश्तेदार को लखनऊ एयरपोर्ट छोड़कर वापस लौट रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मारुति वैगनर कार पलट गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने शुरू की जांच प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि डीसीएम चालक को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ। हादसे के बाद डीसीएम चालक अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



गया। डीसी इमरान ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी से पैसे नहीं मांगे हैं। मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की है। उनके आदेश पर एलाक्षी प्राइवेट लिमिटेड के निर्देशक पवन सिंह और विजय पाल सिंह के खिलाफ

माफिया अतीक के करीबियों के प्लाट पर चला बुलडोजर

पीडीए का एक्शन जारी, अवैध प्लांटिंग करने वालों पर बड़ी कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, माफिया अतीक अहमद के करीबियों की अवैध प्लांटिंग के खिलाफ मंगलवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। प्राधिकरण की तरफ से माफिया अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ के करीबी रहे लोगों की अवैध प्लांटिंग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 18 बीघा से अधिक की जमीन को खाली कराया गया। माफिया अतीक अहमद के खास रहे खालिद जफर की अवैध प्लांटिंग के खिलाफ पीडीए की तरफ से विशेष कार्रवाई की गई। खालिद जफर, माफिया अतीक अहमद का खास बताया जाता है। इसके अलावा पीडीए की तरफ से जीसान, डॉ. कमरान, जानू और इमरान की अवैध



प्लांटिंग के खिलाफ कार्रवाई की गई। पीडीए की तरफ से जारी सूचना के अनुसार राजीव नागर, मो. अरसद, जीसान व अन्य के ग्रीन वैली में तीन बीघा जमीन पर की गई अवैध प्लांटिंग को खाली कराया गया। इसके अलावा खालिद जफर व अन्य के खिलाफ 10 बीघा जमीन पर सिलना भीटी मौजा, देवघाट पर की गई अवैध प्लांटिंग के खाली कराया गया। साथ ही डॉ.

कामरान, जानू, इमरान व अन्य की तरफ से मौजा, देवघाट, प्रयागराज में पांच बीघा पर की गई अवैध प्लांटिंग को खत्म किया गया। साथ ही आराजी संख्या 485 मौजा देवघाट पर की गई अवैध प्लांटिंग को खाली कराया गया। इस दौरान जोनल अधिकारी के साथ भवन निरीक्षक कुंवर आनंद सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आरटीआई जवाब नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों का प्रदर्शन

सैकड़ों लोगों ने निकाली आक्रोश रैली, 15 दिन में सूचना देने की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी नहीं मिलने से नाराज सैकड़ों ग्रामीणों ने अमेठी तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैनर और पोस्टर लेकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण कई महीनों से विभिन्न विभागों से सूचना मांग रहे हैं। लेकिन अधिकारी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे रहे हैं। इसलिए उन्होंने 15 दिन के भीतर

जानकारी देने की मांग की है। विजय कुमार सिंह ने कहा कि विभागों द्वारा उन्हें लगातार टाला जा रहा है। यह आम जनता के अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 15 दिन में सूचना नहीं मिली तो बड़े पैमाने



पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि प्रशासन पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करे।

विवাহिता के बाल काटे, चिमटे से जलाकर भगाया

अलीगढ़ की बेटी को नोएडा में ससुरालियों ने किया प्रताड़ित, बेटी के जन्म से थे नाराज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, अलीगढ़ के जवां थाना क्षेत्र में एक पीड़िता ने ससुराल जनों के ऊपर मारपीट और प्रताड़ित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ससुरालियों ने गर्म चिमटे से उसके गाल जला दिए। उसके बाल काट दिए और उसे घर से निकाल दिया। जिसके बाद पीड़िता अपने मायके अलीगढ़ आ गई। यहां उसने जवां थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही पीड़िता का मेडिकल परीक्षण भी कराया है, जिससे आरोपियों के खिलाफ मजबूत साक्ष्य तैयार हो सके। जवां थाना क्षेत्र के सिक्ंदरपुर निवासी ऊषा देवी ने बताया



कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी 9 साल पहले नोएडा के थाना जेवर के बादलपुर निवासी सतीश पुत्र टीकम सिंह के साथ की थी। शादी के कुछ साल बाद उनकी बेटी ने पुत्री को जन्म दिया था। इसके बाद ससुरालियों का बर्ताव बदल गया। बीते दिनों उनकी

बेटी ने एक और पुत्री को जन्म दिया था, जिससे ससुराली और नाराज हो गए और उनकी बेटी के साथ मारपीट शुरू कर दी। 3 मार्च को आरोपियों ने उनकी बेटी डॉली के साथ मारपीट की। उसके गाल को गर्म चिमटे से जला दिया और बाल काट दिए। उन्होंने यह भी

आरोप लगाया कि मौके पर नन्द, बहनोई और परिवार के लोग थे। उन्होंने

डॉली का मोबाइल छीन लिया और खाली कागज में साइन भी करा लिए। इसके बाद आरोपियों ने उनकी बेटी को घर से निकाल दिया। जिसके बाद अब उन्होंने मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित मां ने बताया कि आरोपियों ने उनकी बेटी डॉली को घर से निकाल दिया। वहीं उनकी बेटी की 3 दिन की पुत्री को आरोपियों ने गायब कर दिया, जिसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है।

वहीं पुलिस अब जांच में जुटी है। जवां थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ितों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में रमजान व होली की तैयारी

डीएम-एसएसपी ने अधिकारियों व सभांत लोगों के साथ की समीक्षा बैठक, सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने रमजान के त्योहारों की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जुमा अलविदा और ईद-उल-फितर की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को समय से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आपसी समन्वय से त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराएं। सभी क्षेत्राधिकारियों



को त्योहार रजिस्टर का अवलोकन करने और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। नगर निगम को जलापूर्ति और सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और टूटी सड़कों को ठीक करने के आदेश दिए गए। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में दोनों समुदायों के प्रमुख लोगों के साथ बैठक

कर शांति बनाए रखने की अपील करने को कहा गया। ईदगाहों के पास एंबुलेंस और चिकित्सा टीम की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। सभी उप-जिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारियों को अपने क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठक करने को कहा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई, 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लिकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं.

8, 9, 10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टॉप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

E-Mail- bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669, 8097049935, 9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया

बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- प्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लॉक स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।

